

# सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ૩૮૦૦૦૪.

## सत्संग प्रवेश - २

रविवार, 16 जुलाई, 2006

समय : दौपहर 2.00 से 4.15

कुल अंक : 75

प्रश्न  
प्रश्न

वर्गखंड में उपस्थित परीक्षार्थी स्वयं ही अपना विवरणयुक्त स्टीकर लगाएँ। बिना स्टीकर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं रहेगी।



इस कोष्टक में  
प्रवेश-२ ( हिन्दी )  
का स्टीकर लगाएँ।

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर स्टीकर लगाने का नहीं है।

निम्न जानकारी परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी की बैठकक्रमांक  
( अंकों में )

--	--	--	--	--	--

परीक्षार्थी की उम्र .....

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी द्वारा लगाएँ गए स्टीकर तथा उपरोक्त विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्गसुपरवाइज़र हस्ताक्षर करें।

वर्गसुपरवाइज़र के हस्ताक्षर .....

☞ पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें।

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर ( गुण )	प्राप्तांक
1 (8)		
2 (6)		
3 (5)		
4 (5)		
5 (4)		
6 (10)		
7 (6)		
8 (6)		
9 (5)		
10 (6)		
11 (8)		
12 (6)		
कुल गुण		

परीक्षक के हस्ताक्षर :

.....

मोडरेशन विभाग माटे ४

गुण शब्दोंमां	.....
योक्त - नाम	.....
फटी तपासनार	.....
सुधरेल गुण	.....

## ( विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवेश )

प्र. १ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । ( कुल गुण : ८ )

१. “आप तो मुर्दे को जिन्दा कर सकते हैं, इसलिए आपको मैंने अपना प्रभु बतलाया ।”

गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

२. “हमारी चिट्ठी मिली तब तुम क्या कर रहे थे ?”

गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

३. “पहले कुरसियाँ निकलवा दीजिए, पश्चात् हम पधरामणी में चले ।”

गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

४. “हम लोग यहाँ पर रहेंगे तो सोसम्बन्धी शोक जताने के लिए आते ही रहेंगे, रोयेंगे, रुलायेंगे....”

गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

प्र. २ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्तियाँ ) ( कुल गुण : ६ )

१. सत्संगी सभी व्यक्तियों को सुबह सूर्योदय के पहले उठ जाना चाहिए ।

गुण : २

२. सच्चिदानन्द स्वामी को श्रीजीमहाराज ने विमुख कर दिया ।

गुण : २

३. श्रीजीमहाराज ने गोपीनाथ महाराज की जयघोषणा करवाई ।

गुण : २

प्र. ३ निम्नलिखित में से किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूकनोंध लिखिए। (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. एकादशी व्रत ।                  २. भूज की लाधीबाई ।                  ३. रत्नाकर और चार भाई ।

प्रसंग :

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । ( कुल गुण : ५ )

१. सगराम को किस परमहंस ने सत्संग में शामिल किया था ?

गुण : १

२. गुरु में किन तीन प्रकार की शुद्धियाँ होनी चाहिए ?

गुण : १

३. काशीदास की निष्ठा देखकर श्रीजीमहाराज कितनी बार बोचासण पधारे थे ?

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज ने किसका नाम 'माताजी' रखा था ?

गुण : १

५. योगीजी महाराज ने किन किन शिखरबद्ध मंदिरों में मूर्तिप्रतिष्ठा की थी ?

गुण : १

प्र. ५ सत्संग हो भी जाये, पर बिना संग के..... - 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखिए ।      अथवा  
वचनामृत गढ़ा प्रथम प्रकरण - ६ का विवरण लिखिए । ( कुल गुण : ४ )

--

गुण : ४

प्र. ६ निम्नलिखित कीर्तन/अष्टक/श्लोक आदि को सूचनानुसार पूर्ण कीजिए । ( कुल गुण : १० )

१. गंगा पापं, शशी तापं .....

--

गुण : २  
सन्तो महाशयाः ॥

२. वन्दन करिए .....

--

गुण : २  
हरि ॥

३. सहजानंद .....

--

गुण : २  
चित प्रोय ॥

४. वल्कल वस्त्रों .....

पूजता हो ॥

गुण : २

५. एकान्तिक स्थापयितुं धरायां धर्म प्रकुर्वन्तम मूल्य वार्ता: ।

वचः सुधाश्च प्रकीर्त्तमूव्याँ श्री स्वामिनारायणमानमामि ॥ - श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए ।

गुण : २

( विभाग - २ : शास्त्रीजी महाराज )

प्र. ७ निम्नलिखित विधान कौन, किसको और कब कहता है यह लिखिए । ( कुल गुण : ६ )

१. “मैं उन्हें नडियाद की जेल में भिजवा दूँ ।”

गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

२. “अब यह पत्थर नहीं गिरेगा, उपर चढ़ा दो ।”

गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

३. “यह साधु ईश्वरावतार योगीन्द्र पुरुष है ।”

गुण : २

कौन कहता है ? ..... किसको कहता है ? .....

कब कहता है ? .....

प्र. ८ निम्नलिखित विधानों के बारे में कारण लिखिए । ( दो से तीन पंक्ति में ) ( कुल गुण : ६ )

१. वडताल में पूनम की सभा बिना कथा-वार्ता किए बिखर गई ।

गुण : २

२. रणछोड भगत ने योगीजी महाराज को वही अडसठ तीरथवाला भजन गाने को कहा ।

गुण : २

३. पुराणी मोरलीधरदास ने सभा के बीच में शास्त्रीजी महाराज को दंडवत् प्रणाम किए ।

गुण : २

प्र. ९ निम्नलिखित में से किन्हीं एक प्रसंग के बारे में १५ पंक्ति में टूकनोंध लिखिए । (वर्णनात्मक) (कुल गुण : ५)

१. मार्ग हरि का है शूरो का ।                  २. वरताल में अक्षरपुरुषोत्तम का जयघोष ।  
३. नारायणस्वरूपदासजी संस्था के प्रमुख ।

( ) .....

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर लिखिए । ( कुल गुण : ६ )

१. डुंगर भक्त के माता-पिता का नाम क्या था ?

गुण : १

२. बोचासण में अक्षरपुरुषोत्तम महाराज की मूर्तिप्रतिष्ठा कब हुई ?

गुण : १

३. शंकराचार्य माधवतीर्थ को शास्त्रीजी महाराज ने क्या कहलवाया ?

गुण : १

४. किसकी प्रेरणा से स्वामी ज्ञानजीवनदास जूनागढ़ छोड़ के शास्त्रीजी महाराज के पास गए ?

गुण : १

५. शास्त्रीजी महाराज की प्रथम जन्मजयन्ती महोत्सव कब और कहा मनाया गया ?

गुण : १

६. शास्त्रीजी महाराज ने गोंडल मंदिर के महंत के पद पर किसको नियुक्त किया ?

गुण : १

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) की निशानी करें। (कुल गुण : ८)

नोंध : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्प के आगे ही सही की निशानी की होगी तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा।

१. विद्वानों और ज्ञानीओं की कितनी आँखें होती हैं ?

गुण : २

(१)  ७      (२)  ३      (३)  १०      (४)  असंख्य

२. शास्त्रीजी महाराज ने साधु निर्मलदास को किस मंदिर की भूमि के लिए मदद की ?

गुण : २

(१)  वढवाण ।      (२)  बोचासण ।

(३)  गढ़ा ।      (४)  लीमडी ।

३. शास्त्रीजी महाराज ने किस किस को समाधि का चमत्कार दिखाया ?

गुण : २

(१)  योगीजी महाराज ।      (२)  नंदकिशोरदास ।

(३)  राधामणप्रसाद ।      (४)  निर्गुणदास स्वामी ।

४. शास्त्रीजी महाराज ने किस किस के पास शास्त्राभ्यास किया था ?

गुण : २

(१)  जीवणराम ।      (२)  माधवतीर्थ ।

(३)  रंगाचार्य ।      (४)  कृष्णजी अदा ।

प्र.१२ नीचे दिए हुए वाक्यों में से सही और गलत वाक्य बताकर गलत वाक्यों को सुधारकर फिर से लिखिए। (कुल गुण : ६)

१. डुंगर भक्त हनुमानमंत्र का जाप जपते हुए खेत में पहुँचे, इसलिए डर नहीं लगा ।

गुण : १

२. जागा भक्त ने कहा, 'यह तो दिल की सफाई का साधन है ।'

गुण : १

३. अक्षरपुरुषोत्तम की मूर्तिप्रतिष्ठा सर्वप्रथम बोचासण में हुई ।

गुण : १

४. कृष्णजी अदा कहते, 'विशुद्ध ज्ञान का प्रचार खुलेआम देखना हो तो बोचासण जाओ ।'

गुण : १

५. अटलादरा में शास्त्रीजी महाराज की सुवर्ण से तुलाविधि हुई ।

गुण : १

६. डुंगर भक्त ने माण बजाकर रामायण की कथा की थी ।

गुण : १